Toppersnotes
Unleash the topper in you

UGC-NET

मनोविज्ञान

National Testing Agency (NTA)

पेपर 2 || भाग – 2

SIERRA INNOVATIONS

UGC NET पेपर – 2 (मनोविज्ञान)

इकाई - III : मनोवैज्ञानिक परीक्षण		
1.	मनोवैज्ञानिक परीक्षण और परीक्षणों के प्रकार का परिचय	1
2.	परीक्षण निर्माणः आइटम लेखन	9
3.	परीक्षण निर्माणः आइटम विश्लेषण	17
4.	परीक्षण मानकीकरणः विश्वसनीयता	26
5.	परीक्षण मानकीकरणः वैधता	34
6.	परीक्षण मानकीकरणः मानदंड	43
7.	परीक्षण के क्षेत्रः बुद्धि और रचनात्मकता	52
8.	परीक्षण के क्षेत्रः न्यूरोसाइकोलॉजिकल परीक्षण और योग्यता	61
9.	परीक्षण के क्षेत्रः व्यक्तित्व मूल्यांकन और रुचि सूची	70
10.	अभिवृत्ति तराजूः शब्दार्थ विभेदक, स्थिर, लिकर्ट	79
11.	कंप्यूटर आधारित मनोवैज्ञानिक परीक्षण	88
12.	विभिन्न सेटिंग्स में मनोवैज्ञानिक परीक्षण के अनुप्रयोग	96
इकाई - IV : व्यवहार का जैविक आधार		
1.	व्यवहार और संवेदी प्रणालियों के जैविक आधार का परिचय	105
2.	न्यूरॉन्सः संरचना, कार्य, प्रकार और तंत्रिका आवेग	113
3.	सिनैप्टिक ट्रांसमिशन और न्यूरोट्रांसमीटर	121
4.	केंद्रीय तंत्रिका तंत्रः संरचना और कार्य	129
5.	परिधीय तंत्रिका तंत्रः संरचना और कार्य	136
6.	न्यूरोप्लास्टी	143
7.	शारीरिक मनोविज्ञान के तरीके: आक्रामक तरीके	150
8.	शारीरिक मनोविज्ञान के तरीके: गैर-इनवेसिव तरीके	156
9.	पेशी और ग्रंथियों की प्रणाली	163
10.	प्रेरणा का जैविक आधारः भूख, प्यास, नींद और सेक्स	170
11.	भावना का जैविक आधार	178
12.	आनुवंशिकी और व्यवहार	186
इकाई - V : अवध्यान, प्रत्यक्षण, अधिगम, स्मृति तथा विस्मरण		
1.	ध्यान, बोध, सीखना, स्मृति और विस्मरण का परिचय	193
2.	ध्यान दें: रूप और मॉडल	198
3.	धारणाः दृष्टिकोण और अवधारणात्मक संगठन	207
4.	अवधारणात्मक स्थिरता और भ्रम	214
5.	रूप, गहराई और गति की धारणा	223
6.	धारणा में प्रेरणा, सीखने और संस्कृति की भूमिका	232
7.	संकेत पहचान सिद्धांत और अचेतन बोध	242
8.	सीखने की प्रक्रियाः मौलिक सिद्धांत	251
9.	शास्त्रीय और वाद्य-यंत्र शिक्षण	260
10.	सीखने में संज्ञानात्मक और हालिया रुझान	271
11.	स्मृति प्रक्रियाएँ और चरण	281
12.	भूलने के सिद्धांत	292

III UNIT

मनोवैज्ञानिक परीक्षण

मनोवैज्ञानिक परीक्षण और परीक्षणों के प्रकार का परिचय

परिचय

मनोवैज्ञानिक परीक्षण मानकीकृत उपकरणों और प्रक्रियाओं का उपयोग करके किसी व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक विशेषताओं, जैसे कि बुद्धि, व्यक्तित्व, योग्यता, दृष्टिकोण, रुचियों और न्यूरोसाइकोलॉजिकल कामकाज को मापने और मूल्यांकन करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। ये परीक्षण उद्देश्यपूर्ण, विश्वसनीय और वैध डेटा प्रदान करते हैं जो अनुसंधान, नैदानिक अभ्यास, शिक्षा, संगठनात्मक निर्णय और नीति-निर्माण को सूचित करते हैं। मनोवैज्ञानिक परीक्षण अनुशासन के लिए मूलभूत है, जो शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को अमूर्त निर्माणों को मापने, स्थितियों का निदान करने, हस्तक्षेपों का मार्गदर्शन करने और परिणामों की भविष्यवाणी करने में सक्षम बनाता है।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण का दायरा और परीक्षणों के प्रकार

यूनिट 3 के लिए यूजीसी नेट जेआरएफ पाठ्यक्रम मनोवैज्ञानिक परीक्षण की मूलभूत अवधारणा के साथ शुरू होता है, इसकी परिभाषा, उद्देश्यों और प्रकारों पर जोर देता है। ये तत्व यह समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि मनोवैज्ञानिक अनुसंधान और अभ्यास में परीक्षण कैसे डिज़ाइन और लागू किए जाते हैं। इस अध्याय के दायरे में शामिल हैं:

- **मनोवैज्ञानिक परीक्षण की परिभाषा**:
  - मानकीकृत परीक्षण के अर्थ, विशेषताओं और सिद्धांत।
  - मनोवैज्ञानिक निर्माणों (जैसे, बुद्धि, व्यक्तित्व) को मापने में भूमिका।
- **मनोवैज्ञानिक परीक्षण के उद्देश्य**:
  - मूल्यांकन, निदान, भविष्यवाणी, अनुसंधान और हस्तक्षेप योजना।
  - विविध डोमेन में आवेदन (जैसे, नैदानिक, शैक्षिक)।
- **मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के प्रकार**:
  - वर्गीकरण: व्यक्तिगत बनाम समूह, गति बनाम शक्ति, अधिकतम बनाम विशिष्ट प्रदर्शन, मानक-संदर्भित बनाम मानदंड-संदर्भित, उद्देश्य बनाम प्रक्षेपी।
  - प्रत्येक प्रकार के उदाहरण और अनुप्रयोग।
- **UGC NET JRF के लिए प्रासंगिकता**:
  - परीक्षण प्रकारों और उद्देश्यों पर परीक्षा प्रश्नों के लिए परीक्षण बुनियादी बातों को समझना।
  - भारतीय सांस्कृतिक प्रतिमानों (जैसे, योग-आधारित आत्म-मूल्यांकन) के साथ पश्चिमी साइकोमेट्रिक दृष्टिकोण की तुलना करना।
- **चुनौतियाँ**:
  - सांस्कृतिक निष्पक्षता, वैधता और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करना।
  - परीक्षण में पूर्वाग्रहों और पहुंच के मुद्दों को संबोधित करना।
- **PYQ अंतर्दृष्टि**:
  - परीक्षण परिभाषाओं पर प्रश्न (जैसे, मानकीकृत परीक्षणों की विशेषताएं), प्रकार (जैसे, उद्देश्य बनाम प्रक्षेपी), और उद्देश्य (जैसे, नैदानिक बनाम भविष्य कहनेवाला भूमिकाएं)।

यह अध्याय मनोवैज्ञानिक परीक्षण के लिए एक वैचारिक ढांचा प्रदान करते हुए, यूनिट 3 में बाद के विषयों के लिए मंच निर्धारित करता है।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ

मनोवैज्ञानिक परीक्षण और इसके प्रकारों की सराहना करने के लिए, उनके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों की जांच करना आवश्यक है:

- **ऐतिहासिक संदर्भ**:
  - **19 वीं सदी: परीक्षण की उत्पत्ति**:
    - फ्रांसिस गैल्टन (1880 के दशक) ने व्यक्तिगत अंतर माप का बीड़ा उठाया, संवेदी और संज्ञानात्मक क्षमताओं के लिए शुरुआती परीक्षण विकसित किए।
    - विल्हेम वुंड्ट की प्रयोगशाला (1879) ने प्रयोगात्मक तरीकों का इस्तेमाल किया, मानसिक प्रक्रियाओं के लिए परीक्षण विकास को प्रभावित किया।
    - अल्फ्रेड बिनेट (1905) ने पहला खुफिया परीक्षण (बिनेट-साइमन स्केल) बनाया, जो मानकीकृत परीक्षण के जन्म को चिह्नित करता है।

- **20 वीं शताब्दी की शुरुआत: परीक्षण का विस्तार**:
  - लुईस टर्मन (1916) ने IQ परीक्षण को लोकप्रिय बनाते हुए बिनेट-साइमन स्केल (स्टैनफोर्ड-बिनेट) को संशोधित किया।
  - प्रथम विश्व युद्ध (1917-1918) ने सैन्य चयन के लिए समूह परीक्षण (जैसे, आर्मी अल्फा और बीटा परीक्षण) को प्रेरित किया।
  - प्रोजेक्टिव परीक्षण उभरे (जैसे, रोर्शच इंकब्लॉट टेस्ट, 1921; विषयगत धारणा परीक्षण, 1935), व्यक्तित्व पर ध्यान केंद्रित करना।
- **20 वीं शताब्दी के मध्य: मानकीकरण और विविधीकरण**:
  - साइकोमेट्रिक्स ने क्रोनबैक और गिलफोर्ड के योगदान के साथ विश्वसनीयता, वैधता और मानदंडों (1940-1950 के दशक) को औपचारिक रूप दिया।
  - टेस्ट का विस्तार एप्टीट्यूड (जैसे, डिफरेंशियल एप्टीट्यूड टेस्ट, 1947), व्यक्तित्व (जैसे, एमएमपीआई, 1943), और दृष्टिकोण (जैसे, लिकर्ट स्केल, 1932) तक हुआ।
  - कंप्यूटर आधारित परीक्षण शुरू हुआ (1970 के दशक), दक्षता और सटीकता को बढ़ाना।
- **20 वीं -21 वीं सदी के उत्तरार्ध: वैश्विक और सांस्कृतिक एकीकरण**:
  - क्रॉस-सांस्कृतिक मनोविज्ञान (1 9 80 के दशक-) ने पश्चिमी परीक्षणों में पूर्वाग्रहों को संबोधित करते हुए सांस्कृतिक रूप से निष्पक्ष परीक्षण पर जोर दिया।
  - इंडिक प्रभावों (जैसे, योग, माइंडफुलनेस) ने समग्र मूल्यांकन विधियों को प्रेरित किया, गुणात्मक अंतर्दृष्टि को एकीकृत किया।
  - डिजिटल और अनुकूली परीक्षण (2000 के दशक) ने पहुंच और वैयक्तिकरण में क्रांति ला दी।
- **प्रमुख मील के पत्थर**:
  - 1905: बिनेट-साइमन खुफिया परीक्षण।
  - 1916: स्टैनफोर्ड-बिनेट संशोधन।
  - 1943: एमएमपीआई व्यक्तित्व परीक्षण।
  - 1980 का दशक: क्रॉस-सांस्कृतिक परीक्षण फोकस।

- **सांस्कृतिक संदर्भ**:
  - **पश्चिमी संदर्भ**:
    - 19 वीं शताब्दी के यूरोप ने साइकोमेट्रिक परीक्षण को बढ़ावा देते हुए वैज्ञानिक निष्पक्षता को महत्व दिया।
    - 20 वीं शताब्दी के मध्य में व्यक्तिवाद ने व्यक्तिगत लक्षणों (जैसे, बुद्धि, व्यक्तित्व) के लिए परीक्षण को आकार दिया।
    - वैश्वीकरण (1990-) ने विविध आबादी के लिए सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील परीक्षण की आवश्यकता की।
  - **भारतीय संदर्भ**:
    - प्राचीन भारतीय प्रतिमानों (जैसे, योग, आयुर्वेद) ने पश्चिमी साइकोमेट्रिक्स के विपरीत आत्मनिरीक्षण और गुणात्मक आकलन (जैसे, आत्म-जागरूकता) का उपयोग किया।
    - औपनिवेशिक दमन (1850-1947) ने स्वदेशी तरीकों को हाशिए पर डाल दिया, लेकिन स्वतंत्रता के बाद के पुनरुद्धार (1947-) ने उन्हें एकीकृत किया (जैसे, दुर्गानंद सिन्हा का स्वदेशीकरण)।
    - आधुनिक भारतीय मनोविज्ञान पश्चिमी परीक्षणों (जैसे, सांस्कृतिक रूप से निष्पक्ष बुद्धि परीक्षण) को अपनाता है और स्वदेशी उपकरण (जैसे, दिमागीपन-आधारित आकलन) विकसित करता है।
  - **वैश्विक संदर्भ**:
    - सांस्कृतिक विविधता के लिए ऐसे परीक्षणों की आवश्यकता होती है जो सार्वभौमिक और संस्कृति-विशिष्ट निर्माणों को संतुलित करते हैं।
    - भारतीय प्रभावों (जैसे, योग) ने वैश्वीकृत किया है, समग्र और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक परीक्षण को आकार दिया है।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - मनोवैज्ञानिक परीक्षण अमूर्त निर्माणों को मापता है, विज्ञान और अभ्यास को आगे बढ़ाता है।
  - सांस्कृतिक संदर्भ निष्पक्ष, समावेशी परीक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं, जो यूनिट 3 के क्रॉस-सांस्कृतिक फोकस के साथ संरेखित होते हैं।
  - इंडिक प्रतिमान समग्र दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, साइकोमेट्रिक दृष्टिकोण के पूरक हैं।

तालिका 1: मनोवैज्ञानिक परीक्षण का ऐतिहासिक संदर्भ

अवधि/पहलू	ब्यौरा
समय सीमा	19 वीं शताब्दी -वर्तमान
प्रमुख घटनाएँ	1905: बिनेट-साइमन परीक्षण; 1916: स्टैनफोर्ड-बिनेट; 1943: एमएमपीआई; 1980 का दशक: क्रॉस-सांस्कृतिक फोकस
प्रभाव	साइकोमेट्रिक्स, मानवतावाद, वैश्वीकरण, भारतीय प्रतिमान
सांस्कृतिक सेटिंग	पश्चिमी: वस्तुनिष्ठता; भारतीय: आत्मनिरीक्षण; वैश्विक: विविधता
प्रमुख आंकड़े	गैल्टन, बिनेट, टर्मन, क्रोनबैक, सिन्हा

- **मनोवैज्ञानिक परीक्षण की समयरेखा**
    - 1880 का दशक: गैल्टन का व्यक्तिगत अंतर परीक्षण
    - 1905: बिनेट-साइमन खुफिया परीक्षण
    - 1916: स्टैनफोर्ड-बिनेट संशोधन
    - 1943: एमएमपीआई व्यक्तित्व परीक्षण
    - 1980 का दशक: क्रॉस-सांस्कृतिक परीक्षण
    - 2000 का दशक: कंप्यूटर-आधारित अनुकूली परीक्षण

मनोवैज्ञानिक परीक्षण: परिभाषा और महत्व

मनोवैज्ञानिक परीक्षण की नींव इसकी परिभाषा, विशेषताओं और उद्देश्यों में निहित है। नीचे, इन पहलुओं को UGC NET JRF पाठ्यक्रम के उदाहरणों और कनेक्शनों के साथ विस्तार से खोजा गया है।

1. मनोवैज्ञानिक परीक्षण की परिभाषा

- **परिभाषा**: मनोवैज्ञानिक परीक्षण अवलोकन योग्य प्रतिक्रियाओं के माध्यम से मनोवैज्ञानिक निर्माणों (जैसे, बुद्धि, व्यक्तित्व, योग्यता) को मापने के लिए मानकीकृत उपकरणों का व्यवस्थित प्रशासन है, मूल्यांकन, निदान और भविष्यवाणी के लिए उद्देश्य, विश्वसनीय और वैध डेटा प्रदान करता है।
- **प्रमुख घटक**:
    - **मानकीकरण**: समान प्रशासन और स्कोरिंग (जैसे, सभी परीक्षार्थियों के लिए समान निर्देश)।
    - **निष्पक्षता**: संरचित स्वरूपों (जैसे, बहुविकल्पीय आइटम) के माध्यम से पूर्वाग्रह को कम करता है।
    - **विश्वसनीयता**: प्रशासनों में लगातार परिणाम (जैसे, परीक्षण-पुन: परीक्षण विश्वसनीयता)।
    - **वैधता**: इच्छित निर्माण के उपाय (जैसे, बुद्धि परीक्षण बुद्धि को मापता है)।
    - **मानदंड**: स्कोर व्याख्या के लिए संदर्भ मानक (जैसे, प्रतिशत रैंक)।
- **विशेषताएं**:
    - **वैज्ञानिक**: साइकोमेट्रिक सिद्धांतों पर आधारित।
    - **संरचित**: पूर्वनिर्धारित वस्तुओं और प्रक्रियाओं का उपयोग करता है।
    - **उद्देश्य-संचालित**: विशिष्ट लक्ष्यों (जैसे, निदान, चयन) के लिए डिज़ाइन किया गया।
    - **नैतिक**: दिशानिर्देशों का पालन करता है (जैसे, एपीए नैतिक मानक)।
- **उदाहरण**:
    - **इंटेलिजेंस टेस्ट**: वेक्स्लर एडल्ट इंटेलिजेंस स्केल (WAIS) संज्ञानात्मक क्षमताओं को मापता है।
    - **व्यक्तित्व परीक्षण**: मिनेसोटा मल्टीफासिक पर्सनैलिटी इन्वेंटरी (एमएमपीआई) साइकोपैथोलॉजी का आकलन करती है।
    - **एप्टीट्यूड टेस्ट**: डिफरेंशियल एप्टीट्यूड टेस्ट (डीएटी) करियर की क्षमता का मूल्यांकन करता है।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
    - वैज्ञानिक अध्ययन को सक्षम करते हुए, अमूर्त निर्माणों की मात्रा निर्धारित करता है।
    - मूल्यांकन और हस्तक्षेप में साक्ष्य-आधारित अभ्यास का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण परिभाषाएँ।
- **उदाहरण (2023 PYQ):**

  "मनोवैज्ञानिक परीक्षण की विशेषता है:

  A) व्यक्तिपरकता
  B) मानकीकरण
  C) अंतर्ज्ञान
  D) अटकलें।

  (उत्तर: B)।

2. मनोवैज्ञानिक परीक्षण का महत्व

- **मूल्यांकन**:
    - व्यक्तिगत मतभेदों को मापता है (जैसे, आईक्यू, व्यक्तित्व लक्षण)।
    - उदाहरण: शैक्षिक प्लेसमेंट के लिए संज्ञानात्मक क्षमताओं का आकलन करना।
- **निदान**:
    - मनोवैज्ञानिक स्थितियों (जैसे, अवसाद, एडीएचडी) की पहचान करता है।
    - उदाहरण: एमएमपीआई निदान मनोविज्ञान।
- **भविष्यवाणी**:
    - पूर्वानुमान परिणाम (जैसे, नौकरी का प्रदर्शन, शैक्षणिक सफलता)।
    - उदाहरण: कैरियर उपयुक्तता की भविष्यवाणी करने वाले योग्यता परीक्षण।

- **अनुसंधान**:
  - सिद्धांतों और परिकल्पनाओं का परीक्षण करता है (जैसे, खुफिया मॉडल)।
  - उदाहरण: टॉरेंस टेस्ट के साथ रचनात्मकता का अध्ययन।
- **हस्तक्षेप योजना**:
  - उपचार या प्रशिक्षण (जैसे, चिकित्सा, कौशल विकास) का मार्गदर्शन करता है।
  - उदाहरण: पुनर्वास को सूचित करने वाले न्यूरोसाइकोलॉजिकल परीक्षण।
- **उदाहरण**:
  - **मूल्यांकन**: संज्ञानात्मक प्रोफाइलिंग के लिए WAIS।
  - **निदान**: अवसाद के लिए बेक डिप्रेशन इन्वेंटरी।
  - **भविष्यवाणी**: व्यावसायिक मार्गदर्शन के लिए जीएटीबी।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - मानव व्यवहार की समझ को बढ़ाता है।
  - नैदानिक, शैक्षिक और संगठनात्मक सेटिंग्स में अभ्यास को सूचित करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- **उदाहरण (2022 PYQ):**
  "मनोवैज्ञानिक परीक्षण का एक उद्देश्य है:
  A) अटकलें
  B) निदान
  C) अंतर्ज्ञान
  D) पूर्वाग्रह।
  (उत्तर: B)।

3. मनोवैज्ञानिक परीक्षण के सिद्धांत

- **मानकीकरण**: प्रशासन, स्कोरिंग और व्याख्या में स्थिरता सुनिश्चित करता है।
  - उदाहरण: IQ परीक्षणों में निश्चित समय सीमा।
- **विश्वसनीयता**: समय के साथ या वस्तुओं में लगातार परिणाम उत्पन्न करता है।
  - उदाहरण: WAIS में उच्च परीक्षण-पुनर्परीक्षण विश्वसनीयता।
- **वैधता**: यह मापता है कि यह क्या मापने का दावा करता है।
  - उदाहरण: योग्यता परीक्षणों में सामग्री वैधता।
- **वस्तुनिष्ठता**: संरचित स्वरूपों के माध्यम से व्यक्तिपरक पूर्वाग्रह को कम करता है।
  - उदाहरण: एमएमपीआई में बहुविकल्पीय आइटम।
- **मानदंड**: स्कोर तुलना के लिए संदर्भ मानक प्रदान करता है।
  - उदाहरण: मानकीकृत परीक्षणों में प्रतिशतक मानदंड।
- **नैतिक उपयोग**: नैतिक दिशानिर्देशों का पालन करता है (जैसे, सूचित सहमति, गोपनीयता)।
  - उदाहरण: परीक्षण प्रशासन के लिए एपीए मानक।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - परीक्षण में वैज्ञानिक कठोरता और निष्पक्षता सुनिश्चित करता है।
  - वैध, विश्वसनीय और नैतिक आकलन का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण सिद्धांत।
- **उदाहरण (2024 PYQ):**
  "मनोवैज्ञानिक परीक्षण का एक सिद्धांत है:
  A) व्यक्तिपरकता
  B) विश्वसनीयता
  C) पूर्वाग्रह
  D) अंतर्ज्ञान।
  (उत्तर: B)।

तालिका 2: मनोवैज्ञानिक परीक्षण के सिद्धांत

सिद्धान्त	या क़िस्म	उदाहरण
मानकीकरण	वर्दी प्रक्रियाएं	फिक्स्ड IQ परीक्षण निर्देश
विश्वसनीयता	लगातार परिणाम	WAIS में टेस्ट-रीटेस्ट
वैधता	इच्छित निर्माण के उपाय	DAT में सामग्री की वैधता
निष्पक्षता	पूर्वाग्रह को कम करता है	एमएमपीआई बहुविकल्पीय आइटम
मानदंडों	संदर्भ मानक	परीक्षणों में प्रतिशतता रैंक
नैतिक उपयोग	दिशानिर्देशों का पालन करता है	एपीए नैतिक मानकों

1. **मनोवैज्ञानिक परीक्षण के सिद्धांत**
    - मानकीकरण: एकरूपता
    - विश्वसनीयता: संगति
    - वैधता: सटीकता-
- **निष्पक्षता: पूर्वाग्रह में कमी**
    - मानदंड: संदर्भ
    - नैतिकता: दिशानिर्देश
1. [ओवरलैप]: वैज्ञानिक परीक्षण

मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के प्रकार

मनोवैज्ञानिक परीक्षणों को विभिन्न मानदंडों के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है, जो उनके डिजाइन, उद्देश्य और प्रशासन को दर्शाते हैं। नीचे, प्रमुख प्रकारों का विस्तार से पता लगाया गया है।

1. व्यक्तिगत बनाम समूह परीक्षण

- **व्यक्तिगत परीक्षण**:
    - **परिभाषा**: एक प्रशिक्षित परीक्षक द्वारा एक समय में एक व्यक्ति को प्रशासित।
    - **विशेषताएं**: व्यक्तिगत, विस्तृत, समय-गहन।
    - **उदाहरण**: WAIS, Rorschach इंकब्लॉट टेस्ट।
    - **अनुप्रयोग**: नैदानिक निदान, गहन मूल्यांकन।
    - **ताकत**: उच्च सटीकता, अनुरूप प्रतिक्रिया।
    - **सीमाएं**: महंगा, समय लेने वाला।
- **समूह परीक्षण**:
    - **परिभाषा**: एक साथ कई लोगों को प्रशासित।
    - **विशेषताएं**: मानकीकृत, कुशल, कम व्यक्तिगत।
    - **उदाहरण**: रेवेन की प्रगतिशील मैट्रिसेस, एमएमपीआई।
    - **आवेदन**: शैक्षिक स्क्रीनिंग, संगठनात्मक चयन।
    - **ताकत**: लागत प्रभावी, स्केलेबल।
    - **सीमाएं**: कम गहराई, धोखा देने की संभावना।
- **उदाहरण**:
    - **व्यक्तिगत**: संज्ञानात्मक मूल्यांकन के लिए WAIS।
    - **समूह**: कॉलेज प्रवेश के लिए SAT
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
    - व्यक्तिगत परीक्षण नैदानिक सेटिंग्स के अनुरूप हैं; समूह परीक्षण बड़े पैमाने पर अनुप्रयोगों के अनुरूप हैं।
    - विविध मूल्यांकन आवश्यकताओं का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण वर्गीकरण।
- **उदाहरण (2023 PYQ):**

  "WAIS एक है:

  A) व्यक्तिगत परीक्षण
  B) समूह परीक्षण
  C) गति परीक्षण
  D) प्रक्षेपी परीक्षण।

  (उत्तर: A)।

2. स्पीड बनाम पावर टेस्ट

- **गति परीक्षण**:
    - **परिभाषा**: त्वरित प्रतिक्रियाओं पर जोर देते हुए, एक निश्चित समय सीमा के भीतर प्रदर्शन को मापता है।
    - **विशेषताएं**: समयबद्ध, कई आइटम।
    - **उदाहरण**: लिपिक योग्यता परीक्षण, समयबद्ध IQ उपपरीक्षण।
    - **अनुप्रयोग**: प्रसंस्करण गति, दक्षता का आकलन करना।
    - **ताकत**: समय-संवेदनशील कौशल का मूल्यांकन करता है।
    - **सीमाएं**: धीमी प्रतिक्रिया देने वालों को नुकसान हो सकता है।
- **शक्ति परीक्षण**:
    - **परिभाषा**: पर्याप्त समय के साथ जटिल समस्याओं को हल करने की क्षमता को मापता है।
    - **विशेषताएं**: असामयिक या लचीली, चुनौतीपूर्ण वस्तुएं।

- **उदाहरण**: रेवेन के मैट्रिसेस, WAIS ब्लॉक डिज़ाइन।
- **अनुप्रयोग**: उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक क्षमताओं का आकलन।
- **ताकत**: समस्या-समाधान गहराई पर ध्यान केंद्रित करता है।
- **सीमाएं**: समय-गहन, कम कुशल।

- **उदाहरण**:
  - **गति**: समयबद्ध गणित योग्यता परीक्षा।
  - **शक्ति**: जटिल पहेली सुलझाने का परीक्षण।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - गति परीक्षण तेज-तर्रार कार्यों के अनुरूप हैं; शक्ति परीक्षण गहरे तर्क के अनुरूप है।
  - विभिन्न संज्ञानात्मक आकलन का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण भेद।
- **उदाहरण (2022 PYQ):**
  "गति परीक्षण जोर देते हैं:
  A) जटिल समस्याएं
  B) समय सीमा
  C) असामयिक कार्य
  D) गहराई।
  (उत्तर: B)।

3. अधिकतम बनाम विशिष्ट प्रदर्शन परीक्षण

- **अधिकतम प्रदर्शन परीक्षण**:
  - **परिभाषा**: इष्टतम परिस्थितियों में सर्वोत्तम संभव प्रदर्शन को मापता है।
  - **विशेषताएं**: क्षमता का आकलन करता है, प्रयास-आधारित।
  - **उदाहरण**: IQ परीक्षण (WAIS), योग्यता परीक्षण (DAT).
  - **आवेदन**: शैक्षणिक, व्यावसायिक चयन।
  - **ताकत**: शिखर क्षमताओं की मात्रा निर्धारित करता है।
  - **सीमाएं**: सामान्य व्यवहार को प्रतिबिंबित नहीं कर सकते हैं।
- **विशिष्ट प्रदर्शन परीक्षण**:
  - **परिभाषा**: सामान्य या विशिष्ट व्यवहार को मापता है।
  - **विशेषताएं**: वरीयताओं, लक्षणों का आकलन करता है।
  - **उदाहरण**: व्यक्तित्व परीक्षण (MMPI), रुचि सूची (स्ट्रॉन्ग).
  - **आवेदन**: परामर्श, कैरियर मार्गदर्शन।
  - **ताकत**: रोजमर्रा के व्यवहार को दर्शाता है।
  - **सीमाएं**: व्यक्तिपरक, प्रतिक्रिया पूर्वाग्रह।
- **उदाहरण**:
  - **अधिकतम**: स्टैनफोर्ड-बिनेट आईक्यू टेस्ट।
  - **विशिष्ट**: 16PF व्यक्तित्व परीक्षण।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - अधिकतम परीक्षण क्षमताओं का आकलन करते हैं; विशिष्ट परीक्षण लक्षणों का आकलन करते हैं।
  - व्यापक रूपरेखा का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण उद्देश्य।
- **उदाहरण (2024 PYQ):**
- "MMPI a:
  A) अधिकतम प्रदर्शन परीक्षण
  B) विशिष्ट प्रदर्शन परीक्षण
  C) गति परीक्षण
  D) शक्ति परीक्षण है।
  (उत्तर: B)।

4. मानक-संदर्भित बनाम मानदंड-संदर्भित परीक्षण

- **मानक-संदर्भित परीक्षण**:
  - **परिभाषा**: व्यक्तिगत स्कोर की तुलना एक मानक समूह से करता है।
  - **विशेषताएं**: सापेक्ष रैंकिंग (जैसे, प्रतिशतक)।
  - **उदाहरण**: WAIS, SAT.
  - **आवेदन**: चयन, प्लेसमेंट।
  - **ताकत**: मानकीकृत तुलना।
  - **सीमाएं**: मानक समूह तक सीमित।

- **मानदंड-संदर्भित परीक्षण**:
  - **परिभाषा**: एक निश्चित मानक के खिलाफ प्रदर्शन को मापता है।
  - **विशेषताएं**: पूर्ण महारत (जैसे, पास / असफल)।
  - **उदाहरण**: ड्राइविंग परीक्षण, प्रमाणन परीक्षा.
  - **अनुप्रयोग**: योग्यता मूल्यांकन।
  - **ताकत**: स्पष्ट प्रदर्शन मानदंड।
  - **सीमाएं**: कम तुलनात्मक।
- **उदाहरण**:
  - **मानक-संदर्भित**: बुद्धि परीक्षण प्रतिशत।
  - **मानदंड-संदर्भित**: लाइसेंस परीक्षा पास दर।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - मानक-संदर्भित परीक्षण व्यक्तियों को रैंक करते हैं; मानदंड-संदर्भित परीक्षण महारत का आकलन करते हैं।
  - विभिन्न मूल्यांकन लक्ष्यों का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण भेद।
- **उदाहरण (2023 PYQ):** "मानक-संदर्भित परीक्षण उपयोग करते हैं: A) निश्चित मानक B) समूह तुलना C) पास/असफल मानदंड D) पूर्ण स्कोर। (उत्तर: बी)।

5. वस्तुनिष्ठ बनाम प्रोजेक्टिव टेस्ट

- **वस्तुनिष्ठ परीक्षण**:
  - **परिभाषा**: निश्चित प्रतिक्रियाओं के साथ संरचित, स्पष्ट वस्तुओं का उपयोग करता है।
  - **विशेषताएं**: निष्पक्ष रूप से स्कोर किया गया (जैसे, बहुविकल्पी)।
  - **उदाहरण**: एमएमपीआई, 16पीएफ।
  - **आवेदन**: व्यक्तित्व, योग्यता मूल्यांकन।
  - **ताकत**: विश्वसनीय, मानकीकृत।
  - **सीमाएं**: सीमित गहराई, प्रतिक्रिया पूर्वाग्रह।
- **प्रोजेक्टिव टेस्ट**:
  - **परिभाषा**: बेहोश प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने के लिए अस्पष्ट उत्तेजनाओं का उपयोग करता है।
  - **विशेषताएं**: ओपन-एंडेड, व्याख्यात्मक।
  - **उदाहरण**: Rorschach, TAT.
  - **अनुप्रयोग**: व्यक्तित्व, नैदानिक निदान।
  - **ताकत**: बेहोश, समृद्ध डेटा की पड़ताल करता है।
  - **सीमाएं**: व्यक्तिपरक, कम विश्वसनीयता।
- **उदाहरण**:
  - **उद्देश्य**: अवसाद के लिए एमएमपीआई।
  - **प्रोजेक्टिव**: व्यक्तित्व अंतर्दृष्टि के लिए टीएटी।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - उद्देश्य परीक्षण संरचित मूल्यांकन के अनुरूप हैं; प्रोजेक्टिव परीक्षण गहराई के अनुरूप हैं।
  - नैदानिक और अनुसंधान आवश्यकताओं का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण विशेषताओं।
- **उदाहरण (2024 PYQ):**
  "प्रोजेक्टिव परीक्षण हैं:
  A) संरचित
  B) अस्पष्ट
  C) उद्देश्य
  D) मानक-संदर्भित।
  (उत्तर: b)।

तालिका 3: मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के प्रकार

प्रकार	परिभाषा	उदाहरण	ताकत	सीमाओं
व्यक्ति	एक-पर-एक प्रशासन	डब्ल्यूएआईएस	सटीक, अनुरूप	महंगा, समय लेने वाला
समूह	एक साथ कई	रेवेन के मैट्रिसेस	कुशल, स्केलेबल	कम गहराई
गति	समयबद्ध प्रदर्शन	लिपिक योग्यता परीक्षण	दक्षता का आकलन करता है	समय का दबाव
शक्ति	जटिल समस्या-समाधान	WAIS ब्लॉक डिजाइन	गहराई, तर्क	समय-गहन

प्रकार	परिभाषा	उदाहरण	ताकत	सीमाओं
अधिकतम प्रदर्शन	सबसे अच्छा प्रयास	स्टैनफोर्ड-बिनेट	शिखर क्षमता	विशिष्ट व्यवहार नहीं
विशिष्ट प्रदर्शन	विशेषता व्यवहार	एमएमपीआई	रोजमर्रा के लक्षण	प्रतिक्रिया पूर्वाग्रह
मानक-संदर्भित	समूह तुलना	और रूप	मानकीकृत रैंकिंग	मानक-निर्भर
मानदंड-संदर्भित	निश्चित मानक	ड्राइविंग टेस्ट	स्पष्ट मानदंड	कम तुलनात्मक
वस्तुनिष्ठ	संरचित, निश्चित प्रतिक्रियाएं	16पीएफ	विश्वसनीय, मानकीकृत	सीमित गहराई
प्रक्षेपी	अस्पष्ट, व्याख्यात्मक	रोर्शच	बेहोश अंतर्दृष्टि	स्वनिष्ठ

आधुनिक मनोविज्ञान के लिए प्रासंगिकता

मनोवैज्ञानिक परीक्षण आधुनिक मनोवैज्ञानिक जांच के लिए केंद्रीय बना हुआ है:

- **सैद्धांतिक उन्नति**:
  - टेस्ट सिद्धांतों को मान्य करते हैं (उदाहरण के लिए, WAIS के साथ खुफिया मॉडल)।
  - निर्माणों (जैसे, व्यक्तित्व लक्षण) पर अनुसंधान का समर्थन करता है।
- **व्यावहारिक अनुप्रयोग**:
  - नैदानिक निदान को सूचित करता है (उदाहरण के लिए, अवसाद के लिए एमएमपीआई)।
  - शैक्षिक और कैरियर निर्णयों (जैसे, योग्यता परीक्षण) का मार्गदर्शन करता है।
- **सामाजिक प्रभाव**:
  - सामाजिक जरूरतों को संबोधित करता है (जैसे, मानसिक स्वास्थ्य जांच)।
  - निष्पक्ष परीक्षण (जैसे, सांस्कृतिक रूप से अनुकूलित मानदंड) के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देता है।
- **क्रॉस-सांस्कृतिक प्रासंगिकता**:
  - भारतीय प्रतिमान (जैसे, योग) समग्र परीक्षण (जैसे, माइंडफुलनेस स्केल) को प्रभावित करते हैं।
  - वैश्विक विविधता के लिए सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील परीक्षणों की आवश्यकता है।
- **उदाहरण**:
  - **सैद्धांतिक**: खुफिया परीक्षण में कारक विश्लेषण।
  - **प्रैक्टिकल**: करियर काउंसलिंग के लिए डीएटी।
  - **क्रॉस-कल्चरल**: भारतीय आबादी के लिए अनुकूलित आईक्यू परीक्षण।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - सिद्धांत और व्यवहार को पाटता है, मनोविज्ञान के प्रभाव को बढ़ाता है।
  - विविध अनुप्रयोगों पर यूनिट 3 के फोकस के साथ संरेखित करता है।

तालिका 4: आधुनिक मनोविज्ञान के लिए प्रासंगिकता

दृष्टिकोण	योगदान	उदाहरण
काल्पनिक	सिद्धांतों को मान्य करता है	खुफिया मॉडल
व्यावहारिक	निदान, निर्णय को सूचित करता है	एमएमपीआई, डीएटी
यूथचर	सामाजिक जरूरतों को संबोधित करता है	मानसिक स्वास्थ्य जांच
क्रॉस-कल्चरल	सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील परीक्षण	अनुकूलित भारतीय आईक्यू परीक्षण

समाप्ति

मनोवैज्ञानिक परीक्षण मनोविज्ञान की आधारशिला है, जो बुद्धि, व्यक्तित्व और योग्यता जैसे मनोवैज्ञानिक निर्माणों को मापने और मूल्यांकन करने के लिए मानकीकृत उपकरण प्रदान करता है। इसका महत्व नैदानिक, शैक्षिक और संगठनात्मक सेटिंग्स में अनुप्रयोगों के साथ मूल्यांकन, निदान, भविष्यवाणी, अनुसंधान और हस्तक्षेप योजना में निहित है। टेस्ट प्रशासन (व्यक्तिगत बनाम समूह), समय (गति बनाम शक्ति), प्रदर्शन (अधिकतम बनाम विशिष्ट), संदर्भ (आदर्श बनाम मानदंड), और प्रारूप (उद्देश्य बनाम प्रोजेक्टिव) द्वारा वर्गीकृत किए जाते हैं, प्रत्येक विशिष्ट उद्देश्यों की सेवा करते हैं। योग-आधारित आत्म-मूल्यांकन जैसे भारतीय प्रतिमान, पश्चिमी मनोचिकित्सा के पूरक हैं, जो समग्र और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील दृष्टिकोणों पर जोर देते हैं।

परीक्षण निर्माण: आइटम लेखन

परिचय

परीक्षण निर्माण उच्च विश्वसनीयता, वैधता और सांस्कृतिक निष्पक्षता के साथ विशिष्ट निर्माणों, जैसे कि बुद्धि, व्यक्तित्व, योग्यता या दृष्टिकोण को मापने के लिए मनोवैज्ञानिक परीक्षणों को डिजाइन करने की एक व्यवस्थित और वैज्ञानिक प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण घटक **आइटम लेखन है**, जिसमें परीक्षण आइटम-प्रश्न या कार्य बनाना शामिल है - जो लक्षित निर्माण को दर्शाते हुए प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करता है। प्रभावी आइटम लेखन यह सुनिश्चित करता है कि परीक्षण आइटम स्पष्ट, प्रासंगिक, निष्पक्ष और परीक्षण के उद्देश्य के साथ संरेखित हैं, जो सटीक और सार्थक मूल्यांकन की नींव बनाते हैं। मनोवैज्ञानिक परीक्षण में, आइटम लेखन को साइकोमेट्रिक रूप से ध्वनि उपकरणों का उत्पादन करने के लिए आइटम प्रारूपों, सामग्री, कठिनाई और सांस्कृतिक संदर्भ पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता होती है।

परीक्षण निर्माण में आइटम लेखन का दायरा

यूनिट 3 के लिए यूजीसी नेट जेआरएफ पाठ्यक्रम परीक्षण निर्माण के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में आइटम लेखन की पहचान करता है, मनोवैज्ञानिक रूप से ध्वनि परीक्षण आइटम बनाने में इसकी भूमिका पर जोर देता है। इस अध्याय के दायरे में शामिल हैं:

- **परिभाषा और महत्व**:
  - परीक्षण प्रश्नों या कार्यों को क्राफ्ट करने के रूप में आइटम लेखन का अर्थ।
  - परीक्षण विश्वसनीयता, वैधता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने में महत्व।
- **आइटम लेखन के सिद्धांत**:
  - स्पष्टता, प्रासंगिकता, सादगी, पूर्वाग्रह से बचाव और निर्माणों के साथ संरेखण।
  - प्रभावी आइटम डिजाइन (जैसे, एपीए, ऐरा मानकों) के लिए दिशानिर्देश।
- **परीक्षण वस्तुओं के प्रकार**:
  - एकाधिक-विकल्प, सही-गलत, मिलान, ओपन-एंडेड, रेटिंग स्केल।
  - विशिष्ट परीक्षणों के लिए प्रारूप (जैसे, बुद्धि, व्यक्तित्व, दृष्टिकोण)।
- **आइटम लेखन के लिए** प्रक्रियाएं:
  - चरण: उद्देश्यों को परिभाषित करना, वस्तुओं का मसौदा तैयार करना, समीक्षा करना और पायलटिंग करना।
  - उपकरण और तकनीक (जैसे, आइटम विनिर्देश, विशेषज्ञ समीक्षा)।
- **साइकोमेट्रिक विचार**:
  - आइटम कठिनाई, भेदभाव, और ध्यान भंग करने की गुणवत्ता।
  - आइटम डिजाइन में सांस्कृतिक निष्पक्षता और पहुंच।
- **अनुप्रयोगों**:
  - बुद्धि, व्यक्तित्व, योग्यता और दृष्टिकोण परीक्षणों के लिए आइटम लेखन।
  - नैदानिक, शैक्षिक और संगठनात्मक सेटिंग्स में उपयोग करें।
- **UGC NET JRF के लिए प्रासंगिकता**:
  - परीक्षण निर्माण पर परीक्षा प्रश्नों के लिए आइटम लेखन को समझना।
  - भारतीय सांस्कृतिक प्रतिमानों (जैसे, योग-आधारित मूल्यांकन आइटम) के साथ पश्चिमी साइकोमेट्रिक दृष्टिकोण की तुलना करना।
- **चुनौतियाँ**:
  - पूर्वाग्रह से बचना, स्पष्टता सुनिश्चित करना और कठिनाई को संतुलित करना।
  - आइटम डिजाइन में सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को संबोधित करना।
- **PYQ अंतर्दृष्टि**:
  - आइटम प्रकारों पर प्रश्न (जैसे, बहुविकल्पी बनाम ओपन-एंडेड), सिद्धांत (जैसे, पूर्वाग्रह से बचाव), और प्रक्रियाएं (जैसे, आइटम प्रारूपण चरण)।

यह अध्याय अध्याय 1 के मनोवैज्ञानिक परीक्षण के परिचय पर बनाता है, परीक्षण निर्माण प्रक्रियाओं की समझ को गहरा करता है।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ

परीक्षण निर्माण में आइटम लेखन की पूरी तरह से सराहना करने के लिए, मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के भीतर इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों की जांच करना आवश्यक है:

- **ऐतिहासिक संदर्भ**:
  - **19 वीं सदी: प्रारंभिक परीक्षण विकास**:
    - फ्रांसिस गैल्टन (1880 के दशक) ने संवेदी और संज्ञानात्मक परीक्षणों के लिए अल्पविकसित वस्तुओं को तैयार किया, संरचित आइटम लेखन के लिए आधार तैयार किया।
    - विल्हेम वुंड्ट की प्रयोगशाला (1879) ने प्रारंभिक परीक्षण डिजाइन को प्रभावित करते हुए, प्रोटो-आइटम के रूप में प्रयोगात्मक कार्यों का उपयोग किया।

- **20 वीं शताब्दी की शुरुआत: आइटम लेखन का औपचारिककरण**:
  - अल्फ्रेड बिनेट (1905) ने बिनेट-साइमन स्केल विकसित किया, जिसमें बुद्धिमत्ता को मापने के लिए सावधानीपूर्वक शब्दों वाली वस्तुओं का उपयोग किया गया, व्यवस्थित आइटम लेखन की शुरुआत की गई।
  - प्रथम विश्व युद्ध (1917-1918) ने समूह परीक्षणों (जैसे, आर्मी अल्फा) को प्रेरित किया, जिसमें बड़े पैमाने पर प्रशासन के लिए कुशल बहुविकल्पीय वस्तुओं की आवश्यकता थी।
  - प्रोजेक्टिव परीक्षण (जैसे, रोर्शच, 1921; टीएटी, 1935) ने बेहोश प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने के लिए ओपन-एंडेड आइटम पेश किए।
- **20 वीं शताब्दी के मध्य: साइकोमेट्रिक प्रगति**:
  - क्लासिकल टेस्ट थ्योरी (सीटीटी) (1940 के दशक) ने आइटम लेखन सिद्धांतों को औपचारिक रूप दिया, विश्वसनीयता और वैधता (जैसे, क्रोनबैक के काम) पर जोर दिया।
  - आइटम रिस्पांस थ्योरी (IRT) (1960s) ने आइटम डिज़ाइन के लिए गणितीय मॉडल पेश किए, सटीकता को बढ़ाया (जैसे, Rasch मॉडल)।
  - मानकीकृत दिशानिर्देश (जैसे, एपीए, 1 9 54) ने स्पष्टता और निष्पक्षता पर ध्यान केंद्रित करते हुए आइटम लेखन मानकों की स्थापना की।
- **20 वीं -21 वीं सदी के उत्तरार्ध: सांस्कृतिक और तकनीकी एकीकरण**:
  - क्रॉस-सांस्कृतिक मनोविज्ञान (1 9 80 के दशक-) ने पश्चिमी परीक्षणों में पूर्वाग्रहों को संबोधित करते हुए सांस्कृतिक रूप से निष्पक्ष वस्तुओं पर जोर दिया।
  - कंप्यूटर-आधारित परीक्षण (1990-) ने अनुकूली आइटम लेखन की शुरुआत की, व्यक्तिगत क्षमता (जैसे, कैट) के लिए प्रश्नों को सिलाई किया।
  - इंडिक प्रभावों (जैसे, योग, माइंडफुलनेस) ने समग्र आइटम डिजाइन को प्रेरित किया, गुणात्मक और आध्यात्मिक निर्माणों को एकीकृत किया।
- **प्रमुख मील के पत्थर**:
  - 1905: बिनेट-साइमन आइटम-आधारित खुफिया परीक्षण।
  - 1940 का दशक: CTT ने आइटम लेखन को औपचारिक रूप दिया।
  - 1980 का दशक: क्रॉस-सांस्कृतिक आइटम निष्पक्षता।
  - 1990 का दशक: कंप्यूटर-अनुकूली आइटम डिजाइन।

- **सांस्कृतिक संदर्भ**:
  - **पश्चिमी संदर्भ**:
    - 19 वीं शताब्दी के यूरोप ने वैज्ञानिक निष्पक्षता को प्राथमिकता दी, संरचित आइटम प्रारूपों (जैसे, बहुविकल्पी) को आकार दिया।
    - 20 वीं शताब्दी के मध्य के व्यक्तिवाद ने व्यक्तिगत लक्षणों (जैसे, आईक्यू, व्यक्तित्व) के लिए वस्तुओं को प्रभावित किया।
    - वैश्वीकरण (1990-) ने विविध आबादी के लिए सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील आइटम लेखन की आवश्यकता की।
  - **भारतीय संदर्भ**:
    - प्राचीन भारतीय प्रतिमानों (जैसे, योग, आयुर्वेद) ने पश्चिमी साइकोमेट्रिक्स के विपरीत आत्मनिरीक्षण और गुणात्मक वस्तुओं (जैसे, मानसिक अवस्थाओं का आत्म-मूल्यांकन) का उपयोग किया।
    - औपनिवेशिक दमन (1850-1947) ने स्वदेशी तरीकों को हाशिए पर डाल दिया, लेकिन स्वतंत्रता के बाद के पुनरुद्धार (1947-) ने उन्हें एकीकृत किया (जैसे, दुर्गानंद सिन्हा का स्वदेशीकरण)।
    - आधुनिक भारतीय मनोविज्ञान पश्चिमी वस्तुओं (जैसे, सांस्कृतिक रूप से उचित आईक्यू आइटम) को अपनाता है और स्वदेशी उपकरण (जैसे, माइंडफुलनेस-आधारित आइटम) विकसित करता है।
  - **वैश्विक संदर्भ**:
    - सांस्कृतिक विविधता के लिए उन वस्तुओं की आवश्यकता होती है जो सार्वभौमिक और संस्कृति-विशिष्ट निर्माणों को संतुलित करती हैं।
    - भारतीय प्रभावों (जैसे, योग) का वैश्वीकरण हो गया है, जो समग्र आकलन के लिए वस्तुओं को आकार दे रहा है।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - आइटम लेखन सुनिश्चित करता है कि परीक्षण इच्छित निर्माणों को सटीक रूप से मापें।
  - सांस्कृतिक संदर्भ निष्पक्ष, समावेशी वस्तुओं की आवश्यकता को उजागर करते हैं, जो यूनिट 3 के क्रॉस-सांस्कृतिक फोकस के साथ संरेखित होते हैं।
  - इंडिक प्रतिमान समग्र दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, आइटम डिजाइन को समृद्ध करते हैं।

तालिका 1: आइटम लेखन का ऐतिहासिक संदर्भ

अवधि/पहलू	ब्यौरा
समय सीमा	19 वीं शताब्दी -वर्तमान
प्रमुख घटनाएँ	1905: बिनेट-साइमन आइटम; 1940 का दशक: सीटीटी सिद्धांत; 1980 का दशक: क्रॉस-सांस्कृतिक आइटम
प्रभाव	साइकोमेट्रिक्स, वैश्वीकरण, भारतीय प्रतिमान
सांस्कृतिक सेटिंग	पश्चिमी: वस्तुनिष्ठता; भारतीय: आत्मनिरीक्षण; वैश्विक: विविधता
प्रमुख आंकड़े	गैल्टन, बिनेट, क्रोनबैक, सिन्हा

- **परीक्षण निर्माण में आइटम लेखन की समयरेखा**
  - 1880 का दशक: गैल्टन के संवेदी परीक्षण आइटम
  - 1905: बिनेट-साइमन खुफिया आइटम
  - 1940 के दशक: सीटीटी आइटम लेखन सिद्धांत
  - 1980 के दशक: क्रॉस-सांस्कृतिक आइटम निष्पक्षता
  - 1990 के दशक: कंप्यूटर-अनुकूली आइटम
  - 2020: वैश्विक, समग्र आइटम डिजाइन

परीक्षण निर्माण में आइटम लेखन

आइटम लेखन परीक्षण निर्माण में एक मूलभूत कदम है, जिसमें प्रभावी परीक्षण प्रश्नों या कार्यों को शिल्प करने के लिए वैज्ञानिक कठोरता और रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। नीचे, इसकी परिभाषा, सिद्धांतों, प्रकारों, प्रक्रियाओं और अनुप्रयोगों का विस्तार से पता लगाया गया है।

1. परिभाषा और महत्व

- **आइटम** लेखन परीक्षण आइटम-प्रश्न, कथन, या कार्य बनाने की प्रक्रिया है - जो एक विशिष्ट मनोवैज्ञानिक निर्माण को मापने वाली प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करता है, परीक्षण के उद्देश्य और साइकोमेट्रिक मानकों के साथ संरेखण सुनिश्चित करता है।
- **प्रमुख घटक**:
  - **संरेखण का निर्माण**: आइटम लक्ष्य निर्माण (जैसे, बुद्धि, व्यक्तित्व) को दर्शाते हैं।
  - **स्पष्टता**: आइटम स्पष्ट और समझने योग्य हैं।
  - **प्रासंगिकता**: आइटम परीक्षण के लक्ष्यों और जनसंख्या के लिए उपयुक्त हैं।
  - **निष्पक्षता**: आइटम पूर्वाग्रह (जैसे, सांस्कृतिक, लिंग) से बचते हैं।
- **महत्त्व:**
  - **परीक्षण गुणवत्ता**: विश्वसनीयता, वैधता और उपयोगिता निर्धारित करता है।
  - **मापन सटीकता**: सटीक निर्माण मूल्यांकन सुनिश्चित करता है।
  - **सांस्कृतिक प्रासंगिकता**: विविध समूहों में निष्पक्ष परीक्षण का समर्थन करता है।
  - **व्यावहारिक प्रभाव**: मूल्यांकन, निदान और निर्णय लेने की सूचना देता है।
- **उदाहरण**:
  - **इंटेलिजेंस टेस्ट आइटम**: "कौन सा नंबर आगे आता है: 2, 4, 6, 8?" (उत्तर: 10)।
  - **व्यक्तित्व परीक्षण आइटम**: "मैं सामाजिक समारोहों का आनंद लेता हूं: सही / गलत।
  - **एटीट्यूड स्केल आइटम**: "अपने समझौते को रेट करें: ध्यान तनाव को कम करता है (1-5)।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - सुनिश्चित करता है कि परीक्षण इच्छित निर्माणों को सटीक रूप से मापते हैं।
  - साक्ष्य-आधारित मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण परिभाषाएँ।
- **उदाहरण (2023 PYQ):**

  "आइटम लेखन में शामिल हैं:

  A) परीक्षण प्रश्न बनाना
  B) डेटा का विश्लेषण करना
  C) स्कोरिंग परीक्षण
  D) नॉर्मिंग।

  (उत्तर: A)।

2. आइटम लेखन के सिद्धांत

प्रभावी आइटम लेखन साइकोमेट्रिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्थापित सिद्धांतों का पालन करता है:

- **स्पष्टता**:
  - आइटम संक्षिप्त, स्पष्ट और शब्दजाल से मुक्त हैं।
  - उदाहरण: "2 + 3 को हल करें" बनाम "दो जमा तीन का योग क्या है?"

- **प्रासंगिकता**:
  - आइटम परीक्षण के उद्देश्य और निर्माण के साथ संरेखित होते हैं।
  - उदाहरण: IQ परीक्षण आइटम तर्क को मापते हैं, स्मृति को नहीं।
- **सादगी**:
  - अनावश्यक जटिलता या दोहरे नकारात्मक से बचा जाता है।
  - उदाहरण: "मैं दुखी नहीं हूँ" भ्रामक है; "मैं खुश हूँ" स्पष्ट है।
- **पूर्वाग्रह से बचाव**:
  - सांस्कृतिक, लिंग या सामाजिक आर्थिक पूर्वाग्रहों को समाप्त करता है।
  - उदाहरण: ग्रामीण आबादी में शहरी-विशिष्ट शब्दों से बचें।
- **विशिष्टता का निर्माण**:
  - ओवरलैप से बचने के लिए प्रति आइटम एक निर्माण को लक्षित करता है।
  - उदाहरण: व्यक्तित्व आइटम बहिर्मुखता पर केंद्रित है, चिंता पर नहीं।
- **उपयुक्त कठिनाई**:
  - लक्ष्य जनसंख्या से मेल खाने में कठिनाई को संतुलित करता है।
  - उदाहरण: सामान्य IQ परीक्षणों के लिए मध्यम कठिनाई।
- **दिशानिर्देश**:
  - APA, AERA, NCME मानकों (2014) का पालन करें।
  - सामग्री और स्वरूप निर्धारित करने के लिए आइटम विनिर्देशों का उपयोग करें.
- **उदाहरण**:
  - **Clear Item**: "5 × 3 क्या है?" (उत्तरः 15)।
  - **पक्षपाती आइटम**: "एक नौका क्या है?" (शहरी पूर्वाग्रह)।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - सुनिश्चित करता है कि आइटम वैध, विश्वसनीय और निष्पक्ष हैं।
  - नैतिक और वैज्ञानिक परीक्षण विकास का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण सिद्धांत।
- **उदाहरण (2024 PYQ)**:
  "आइटम लेखन का एक सिद्धांत है:
  A) जटिलता
  B) स्पष्टता
  C) पूर्वाग्रह
  D) अस्पष्टता।
  (उत्तर: B)।

तालिका 2: आइटम लेखन के सिद्धांत

सिद्धान्त	या क़िस्म	उदाहरण
स्पष्टता	संक्षिप्त, असंदिग्ध	"2 + 3 हल करें"
प्रासंगिकता	निर्माण के साथ संरेखित करता है	IQ के लिए रीजनिंग आइटम
सादगी	जटिलता से बचा जाता है	"मैं खुश हूँ"
पूर्वाग्रह से बचाव	पूर्वाग्रहों को खत्म करता है	तटस्थ सांस्कृतिक शब्द
विशिष्टता का निर्माण करें	एक निर्माण को लक्षित करता है	बहिर्मुखता आइटम
उपयुक्त कठिनाई	जनसंख्या से मेल खाता है	मॉडरेट IQ आइटम

- **आइटम लेखन के सिद्धांत**
  - आइटम लेखन → स्पष्टता → प्रासंगिकता → सादगी → पूर्वाग्रह से बचाव → विशिष्टता → उपयुक्त कठिनाई का निर्माण

3. परीक्षण वस्तुओं के प्रकार

टेस्ट आइटम प्रारूप, उद्देश्य और निर्माण के अनुसार भिन्न होते हैं, प्रत्येक विशिष्ट मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के अनुकूल होते हैं:

- **बहुविकल्पीय आइटम**:
  - **परिभाषा**: विकल्पों में से एक सही उत्तर के साथ प्रश्न।
  - **विशेषताएं**: संरचित, उद्देश्य स्कोरिंग।
  - **उदाहरण**:
    - IQ: "कौन सा आकार पैटर्न को पूरा करता है? ए) सर्कल बी) वर्ग सी) त्रिभुज डी) स्टार" (उत्तर: सी)।
    - व्यक्तित्व: "मैं टीम वर्क का आनंद लेता हूं: ए) हमेशा बी) अक्सर सी) कभी-कभी डी) कभी नहीं" (उत्तर: सी)।
  - **अनुप्रयोग**: खुफिया, योग्यता, व्यक्तित्व परीक्षण।
  - **ताकत**: विश्वसनीय, स्केलेबल, स्कोर करने में आसान।
  - **सीमाएं**: अनुमान लगाना, सीमित गहराई।

- **सही-गलत आइटम**:
  - **परिभाषा**: सही या गलत प्रतिक्रिया की आवश्यकता वाला कथन।
  - **विशेषताएं**: सरल, बाइनरी।
  - **उदाहरण**:
    - व्यक्तित्व: "मैं आउटगोइंग हूं: सही/गलत।
    - रवैया: "ध्यान फायदेमंद है: सही/गलत।
  - **अनुप्रयोग**: व्यक्तित्व, रवैया तराजू।
  - **ताकत**: त्वरित, प्रशासन में आसान।
  - **सीमाएं**: उच्च अनुमान लगाने की संभावना, सरलीकृत।
- **मिलान आइटम**:
  - **परिभाषा**: दो सूचियों से आइटम जोड़ना।
  - **विशेषताएं**: संबंधपरक, संरचित।
  - **उदाहरण**:
    - योग्यता: कौशल के लिए नौकरी की भूमिकाओं का मिलान करें (जैसे, इंजीनियर: समस्या-समाधान)।
    - इंटेलिजेंस: शब्दों का परिभाषाओं से मिलान करें.
  - **अनुप्रयोग**: योग्यता, ज्ञान परीक्षण।
  - **ताकत**: परीक्षण संघों, कुशल।
  - **सीमाएं**: सीमित जटिलता, स्मृति-निर्भर।
- **ओपन-एंडेड आइटम**:
  - **परिभाषा**: मुक्त-प्रतिक्रिया उत्तर की आवश्यकता है।
  - **विशेषताएं**: असंरचित, व्यक्तिपरक स्कोरिंग।
  - **उदाहरण**:
    - प्रोजेक्टिव: "आप इस इंकब्लॉट में क्या देखते हैं?"
    - रचनात्मकता: "एक ईंट के लिए सूची का उपयोग करता है।
  - **अनुप्रयोग**: प्रोजेक्टिव, रचनात्मकता परीक्षण।
  - **ताकत**: समृद्ध डेटा, गहराई।
  - **सीमाएं**: स्कोरिंग व्यक्तिपरकता, समय-गहन।
- **रेटिंग स्केल आइटम**:
  - **परिभाषा**: संख्यात्मक या वर्णनात्मक पैमाने पर प्रतिक्रियाएँ।
  - **विशेषताएं**: ग्रेडेड, व्यक्तिपरक।
  - **उदाहरण**:
    - रवैया (लिकर्ट): "मुझे अध्ययन करने में मज़ा आता है: 1 (दृढ़ता से असहमत) से 5 (दृढ़ता से सहमत)।
    - व्यक्तित्व: "अपने आत्मविश्वास को रेट करें: निम्न, मध्यम, उच्च।
  - **अनुप्रयोग**: दृष्टिकोण, व्यक्तित्व, रुचि परीक्षण।
  - **ताकत**: तीव्रता को पकड़ता है, लचीला।
  - **सीमाएं**: प्रतिक्रिया पूर्वाग्रह (जैसे, केंद्रीय प्रवृत्ति)।
- **उदाहरण**:
  - **बहुविकल्पी**: WAIS अंकगणितीय आइटम।
  - **ओपन-एंडेड**: टीएटी कहानी शीघ्र।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - विविध प्रारूप विभिन्न निर्माणों और उद्देश्यों के अनुरूप हैं।
  - व्यापक परीक्षण डिजाइन का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण आइटम प्रकार।
- **उदाहरण (2024 PYQ):**
  "बहुविकल्पी आइटम हैं:
  A) सब्जेक्टिव
  B) ऑब्जेक्टिव
  C) ओपन-एंडेड
  D) अनस्ट्रक्चरेड।
  (उत्तर: B)।

तालिका 3: परीक्षण वस्तुओं के प्रकार

प्रकार	परिभाषा	उदाहरण	ताकत	सीमाओं
बहुविकल्पी	एक सही जवाब, विकल्प	बुद्धि पैटर्न प्रश्न	विश्वसनीय, स्केलेबल	अनुमान लगा
सही-गलत	द्विआधारी प्रतिक्रिया	व्यक्तित्व कथन	त्वरित, सरल	उच्च अनुमान लगाना
मिलान	पेयरिंग सूचियाँ	नौकरी-कौशल मिलान	संबंधपरक, कुशल	स्मृति-निर्भर
खुला	मुफ्त प्रतिक्रिया	इंकब्लॉट व्याख्या	अमीर, गहरा	व्यक्तिपरक स्कोरिंग
रेटिंग स्केल	संख्यात्मक/वर्णनात्मक पैमाना	लिकर्ट रवैया आइटम	तीव्रता को पकड़ता है	प्रतिक्रिया पूर्वाग्रह

4. आइटम लेखन के लिए प्रक्रियाएं

आइटम लेखन परीक्षण लक्ष्यों के साथ गुणवत्ता और संरेखण सुनिश्चित करने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया का पालन करता है:

- **परीक्षण उद्देश्यों को परिभाषित करें**:
  - निर्माण, उद्देश्य और जनसंख्या निर्दिष्ट करें (उदाहरण के लिए, वयस्कों के लिए खुफिया परीक्षण)।
  - उदाहरण: कॉलेज के छात्रों के लिए मौखिक तर्क को मापें।
- **आइटम विनिर्देशों का विकास करें**:
  - रूपरेखा, सामग्री, प्रारूप, और कठिनाई (जैसे, 50% मध्यम आइटम).
  - उदाहरण: अंकगणित पर 20 बहुविकल्पीय आइटम।
- **ड्राफ्ट आइटम**:
  - सिद्धांतों का पालन करते हुए, विनिर्देशों के आधार पर आइटम लिखें।
  - उदाहरण: "4 × 5 क्या है? ए) 15 बी) 20 सी) 25 डी) 30 "(उत्तर: बी)।
- **समीक्षा करें और संशोधित करें**:
  - स्पष्टता, पूर्वाग्रह और प्रासंगिकता के लिए विशेषज्ञ की समीक्षा।
  - उदाहरण: सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट शब्दों को हटा दें।
- **पायलट परीक्षण**:
  - एक नमूने के लिए आइटम का प्रशासन करें, प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करें।
  - उदाहरण: 100 छात्रों पर टेस्ट आइटम, कठिनाई की जांच करें।
- **आइटम परिष्कृत करें**:
  - पायलट फीडबैक के आधार पर संशोधित करें (उदाहरण के लिए, ध्यान भटकाने वालों को समायोजित करें)।
  - उदाहरण: कमजोर ध्यान भंग करने वाले "15" को "16" से बदलें।
- **उदाहरण**:
  - **उद्देश्य**: बहिर्मुखता के लिए एक व्यक्तित्व परीक्षण विकसित करना।
  - **पायलट**: 30 वस्तुओं का परीक्षण करें, प्रतिक्रिया पैटर्न के आधार पर परिष्कृत करें।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - सुनिश्चित करता है कि आइटम मनोवैज्ञानिक रूप से ध्वनि हैं।
  - वैध और विश्वसनीय परीक्षण विकास का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण प्रक्रियाएं।
- **उदाहरण (2023 PYQ):**
  "आइटम लेखन में पहला कदम है:
  A) पायलटिंग
  B) उद्देश्यों को परिभाषित करना
  C) संशोधित करना
  D) स्कोरिंग।
  (उत्तर: B)।

तालिका 4: आइटम लेखन के लिए प्रक्रियाएं

कहीं जाना	या क़िस्म	उदाहरण
उद्देश्यों को परिभाषित करें	निर्माण, उद्देश्य निर्दिष्ट करें	मौखिक तर्क परीक्षण
आइटम निर्दिष्टीकरण	बाह्यरेखा सामग्री, स्वरूप	20 अंकगणितीय वस्तुएं
ड्राफ्ट आइटम	संरेखित आइटम लिखें	4 × 5 क्या है?
समीक्षा और संशोधन	विशेषज्ञ प्रतिक्रिया	पूर्वाग्रह दूर करें
पायलट परीक्षण	नमूने पर परीक्षण	100 छात्रों को प्रशासन
आइटम परिष्कृत करें	प्रतिक्रिया के आधार पर समायोजित करें	ध्यान भटकाने वालों को संशोधित करें

- **आइटम लेखन प्रक्रिया**
  - उद्देश्य → विनिर्देशों → ड्राफ्ट आइटम →→ समीक्षा पायलट परीक्षण → परिष्कृत आइटम

5. आइटम लेखन में साइकोमेट्रिक विचार

परीक्षण गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आइटम लेखन को साइकोमेट्रिक गुणों को संबोधित करना चाहिए:

- **आइटम कठिनाई**:
  - सही प्रतिक्रियाओं का अनुपात (पी-मान, 0 से 1)।
  - आदर्श: पी = 0.3–0.7 मध्यम कठिनाई के लिए।
  - उदाहरण: p = 0.9 वाला आइटम बहुत आसान है।
- **आइटम भेदभाव**:
  - उच्च और निम्न प्रदर्शन करने वालों को अलग करने की क्षमता (भेदभाव सूचकांक, डी)।
  - आदर्श: डी > 0.3 (सकारात्मक भेदभाव)।
  - उदाहरण: आइटम सभी उच्च स्कोरर द्वारा पारित किया गया, कम स्कोरर द्वारा कोई नहीं।
- **ध्यान भंग करने वाली गुणवत्ता**:
  - बहुविकल्पीय वस्तुओं में गलत विकल्प प्रशंसनीय होने चाहिए।
  - उदाहरण: "4 × 5" के लिए ध्यान भंग करने वाले "15, 25, 30" प्रशंसनीय हैं।
- **सांस्कृतिक निष्पक्षता**:
  - समूहों (जैसे, सांस्कृतिक संदर्भ) के खिलाफ पूर्वाग्रह से बचा जाता है।
  - उदाहरण: "फल" बनाम "आम" जैसे तटस्थ शब्दों का प्रयोग करें।
- **अभिगम्यता**:
  - सुनिश्चित करता है कि आइटम क्षमताओं (जैसे, सरल भाषा) में समझने योग्य हैं।
  - उदाहरण: युवा परीक्षार्थियों के लिए जटिल शब्दावली से बचें।
- **उदाहरण**:
  - **कठिनाई**: p = 0.5 वाला आइटम संतुलित है।
  - **भेदभाव**: डी = 0.4 क्षमता स्तरों को अलग करता है।
- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - परीक्षण वैधता और विश्वसनीयता को बढ़ाता है।
  - आबादी में समान मूल्यांकन सुनिश्चित करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न साइकोमेट्रिक्स का परीक्षण करते हैं।
- **उदाहरण (2024 PYQ):**
  "आइटम कठिनाई को इसके द्वारा मापा जाता है:
  A) भेदभाव
  B) अनुपात सही
  C) विचरण
  D) माध्य।
  (उत्तर: B)।

6. मनोवैज्ञानिक परीक्षण में अनुप्रयोग

आइटम लेखन विभिन्न मनोवैज्ञानिक परीक्षणों में लागू किया जाता है:

- **बुद्धि परीक्षण**:
  - आइटम: बहुविकल्पी, तर्क कार्य (जैसे, WAIS अंकगणित)।
  - उदाहरण: "कौन सी संख्या अनुसरण करती है: 1, 3, 5?" (उत्तरः 7)।
- **व्यक्तित्व परीक्षण**:
  - आइटम: सही-गलत, रेटिंग स्केल (जैसे, एमएमपीआई स्टेटमेंट)।
  - उदाहरण: "मुझे भीड़ में घबराहट महसूस होती है: सही/गलत।
- **एप्टीट्यूड टेस्ट**:
  - आइटम: बहुविकल्पी, मिलान (जैसे, डीएटी यांत्रिक तर्क)।
  - उदाहरण: "फ़ंक्शन करने के लिए टूल का मिलान करें: हैमर → नेलिंग।
- **अभिवृत्ति तराजू**:
  - आइटम: लिकर्ट, सिमेंटिक डिफरेंशियल (जैसे, शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण)।
  - उदाहरण: "शिक्षा मूल्यवान है: 1 (असहमत) से 5 (सहमत)।
- **प्रोजेक्टिव टेस्ट**:
  - आइटम: ओपन-एंडेड, अस्पष्ट (जैसे, TAT चित्र)।
  - उदाहरण: "इस चित्र के बारे में कोई कहानी सुनाएँ."
- **उदाहरण**:
  - **इंटेलिजेंस**: पैटर्न पहचान पर WAIS आइटम।
  - **रवैया**: मानसिक स्वास्थ्य कलंक पर लिकर्ट आइटम।

Unleash the topper in you

- **मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता**:
  - विशिष्ट निर्माणों और आबादी के लिए दर्जी आइटम।
  - विविध मूल्यांकन आवश्यकताओं का समर्थन करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण आवेदन।
- **उदाहरण (2024 PYQ):**
  "लिकर्ट आइटम का उपयोग इसमें किया जाता है:
  A) इंटेलिजेंस टेस्ट
  B) एटीट्यूड स्केल
  C) प्रोजेक्टिव टेस्ट
  D) एप्टीट्यूड टेस्ट।
  (उत्तर: b)।

भारतीय प्रतिमानों के साथ तुलना

भारतीय मनोवैज्ञानिक प्रतिमान (जैसे, योग, आयुर्वेद) आइटम लेखन पर अद्वितीय दृष्टिकोण प्रदान करते हैं:

- **आइटम फोकस**:
  - **पश्चिमी**: अनुभवजन्य, संरचित (जैसे, IQ बहुविकल्पी)।
  - **भारतीय**: समग्र, आत्मनिरीक्षण (जैसे, माइंडफुलनेस सेल्फ-रिपोर्ट)।
  - **उदाहरण**: पश्चिमी: "2 + 3 हल करें। भारतीय: "अपनी ध्यान अवस्था का वर्णन करें।
- **आइटम प्रारूप**:
  - **पश्चिमी**: उद्देश्य, मानकीकृत (जैसे, सही-गलत)।
  - **भारतीय**: कथा, ओपन-एंडेड (जैसे, चिंतनशील प्रश्न)।
  - **उदाहरण**: पश्चिमी: MMPI सही-गलत। भारतीय: योग पत्रिका संकेत देती है।
- **सांस्कृतिक प्रासंगिकता**:
  - **पश्चिमी**: सार्वभौमिक निर्माण (जैसे, बुद्धि)।
  - **भारतीय**: सांस्कृतिक रूप से आधारित (जैसे, धर्म-आधारित आइटम)।
  - **उदाहरण**: पश्चिमी: IQ तर्क आइटम। भारतीय: माइंडफुलनेस कल्चरल आइटम।
- **मनोवैज्ञानिक प्रभाव**:
  - भारतीय प्रतिमान समग्र, सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ आइटम लेखन को बढ़ाते हैं।
  - वैश्विक एकीकरण (जैसे, माइंडफुलनेस टेस्ट) उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण तुलना।
- **उदाहरण (2024 PYQ):**
  "भारतीय प्रतिमान आइटम लेखन में जोर देते हैं:
  A) वस्तुनिष्ठ प्रारूप
  B) आत्मनिरीक्षण आइटम
  C) संख्यात्मक स्कोरिंग
  D) मानकीकरण।
  (उत्तर: B)।

तालिका 5: पश्चिमी आइटम लेखन बनाम भारतीय प्रतिमान

दृष्टिकोण	पश्चिमी आइटम लेखन	भारतीय प्रतिमान
आइटम फोकस	अनुभवजन्य, संरचित	समग्र, आत्मनिरीक्षण
आइटम प्रारूप	उद्देश्य, मानकीकृत	कथा, ओपन-एंडेड
सांस्कृतिक प्रासंगिकता	सार्वभौमिक निर्माण	सांस्कृतिक रूप से आधारित

आइटम लेखन में चुनौतियाँ

- **पूर्वाग्रह**:
  - सांस्कृतिक, लिंग या सामाजिक आर्थिक पूर्वाग्रह तिरछे परिणाम देते हैं।
  - समाधान: विशेषज्ञ समीक्षा, सांस्कृतिक अनुकूलन।
- **स्पष्टता**:
  - अस्पष्ट या जटिल आइटम परीक्षार्थियों को भ्रमित करते हैं।
  - समाधान: सरल भाषा, पायलट परीक्षण।
- **कठिनाई संतुलन**:
  - आइटम बहुत आसान या कठिन भेदभाव को कम करते हैं।
  - समाधान: आइटम विश्लेषण, मध्यम कठिनाई।
- **सांस्कृतिक संवेदनशीलता**:
  - पश्चिमी वस्तुएं भारतीय संदर्भों (जैसे, सामूहिकता) के अनुरूप नहीं हो सकती हैं।
  - समाधान: स्वदेशी आइटम डिजाइन।

- **संसाधन की कमी**:
  - गुणवत्ता वाली वस्तुओं के लिए आवश्यक समय और विशेषज्ञता।
  - समाधान: सहयोगात्मक विकास, सॉफ्टवेयर उपकरण।
- **मनोवैज्ञानिक प्रभाव**:
  - खराब आइटम परीक्षण की गुणवत्ता और निष्पक्षता को कम करते हैं।
  - अभिनव, सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक आइटम डिजाइन को प्रेरित करता है।
- **परीक्षा प्रासंगिकता**: प्रश्न परीक्षण चुनौतियां।
- **उदाहरण (2023 PYQ):**
  "आइटम लेखन में एक चुनौती है:
  A) पूर्वाग्रह
  B) संख्यात्मक डेटा
  C) बड़े नमूने
  D) स्कोरिंग।
  (उत्तर: A)।

तालिका 6: आइटम लेखन में चुनौतियाँ

चुनौती	या क़िस्म	प्रभाव	विलयन
पक्षपात	सांस्कृतिक, लैंगिक पूर्वाग्रह	तिरछा परिणाम	विशेषज्ञ की समीक्षा
स्पष्टता	अस्पष्ट आइटम	भ्रम	सरल भाषा
कठिनाई संतुलन	बहुत आसान/कठिन आइटम	गरीब भेदभाव	आइटम विश्लेषण
सांस्कृतिक संवेदनशीलता	पश्चिमी-केंद्रित आइटम	बारीकियों को याद करता है	स्वदेशी डिजाइन
संसाधन की कमी	समय, विशेषज्ञता	गुणवत्ता सीमित करता है	सहयोग, उपकरण

निष्कर्ष

आइटम लेखन मनोवैज्ञानिक परीक्षण निर्माण का एक महत्वपूर्ण घटक है, यह सुनिश्चित करना कि परीक्षण आइटम स्पष्टता, प्रासंगिकता और निष्पक्षता के साथ लक्षित निर्माणों को सटीक रूप से मापते हैं। स्पष्टता, पूर्वाग्रह से बचाव और विशिष्टता का निर्माण जैसे सिद्धांतों का पालन करते हुए, आइटम लेखन विश्वसनीय, वैध और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील परीक्षणों के विकास का समर्थन करता है। विभिन्न आइटम प्रकार-बहुविकल्पी, सही-गलत, ओपन-एंडेड और रेटिंग स्केल-बुद्धि से लेकर दृष्टिकोण तक विविध निर्माणों को पूरा करते हैं। उद्देश्यों को परिभाषित करने, प्रारूपण, समीक्षा और पायलटिंग सहित व्यवस्थित प्रक्रियाएं, आइटम की गुणवत्ता को बढ़ाती हैं, जबकि कठिनाई और भेदभाव जैसे साइकोमेट्रिक विचार प्रभावशीलता सुनिश्चित करते हैं। योग-आधारित आत्मनिरीक्षण वस्तुओं जैसे भारतीय प्रतिमान, पश्चिमी मनोचिकित्सा के पूरक हैं, जो समग्र और सांस्कृतिक रूप से आधारित दृष्टिकोणों पर जोर देते हैं।

परीक्षण निर्माण: आइटम विश्लेषण

परिचय

आइटम विश्लेषण मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के निर्माण में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत परीक्षण वस्तुओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे लक्षित मनोवैज्ञानिक निर्माण के विश्वसनीय, वैध और निष्पक्ष मूल्यांकन में योगदान करते हैं। आइटम प्रदर्शन का विश्लेषण करके, शोधकर्ता और परीक्षण डेवलपर्स उन वस्तुओं की पहचान कर सकते हैं जो बहुत आसान, बहुत कठिन, खराब भेदभावपूर्ण या पक्षपाती हैं, इसके साइकोमेट्रिक गुणों को बढ़ाने के लिए परीक्षण को परिष्कृत करते हैं। आइटम विश्लेषण अन्य कारकों के बीच **आइटम कठिनाई**, **आइटम भेदभाव**, **ध्यान भंग प्रभावशीलता** और **सांस्कृतिक उपयुक्तता** का आकलन करने के लिए सांख्यिकीय और गुणात्मक तरीकों को नियोजित करता है। यह प्रक्रिया बुद्धि, व्यक्तित्व, योग्यता, दृष्टिकोण और अन्य मनोवैज्ञानिक विशेषताओं को मापने में उपयोग किए जाने वाले उच्च गुणवत्ता वाले परीक्षणों को विकसित करने के लिए आवश्यक है।

परीक्षण निर्माण में आइटम विश्लेषण का दायरा

यूजीसी नेट जेआरएफ पाठ्यक्रम परीक्षण निर्माण के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में आइटम विश्लेषण की पहचान करता है, साइकोमेट्रिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण वस्तुओं के मूल्यांकन और शोधन में अपनी भूमिका पर जोर देता है। इस अध्याय के दायरे में शामिल हैं:

- **परिभाषा और महत्व**:
  - आइटम प्रदर्शन के मूल्यांकन के रूप में आइटम विश्लेषण का अर्थ।
  - परीक्षण विश्वसनीयता, वैधता और निष्पक्षता बढ़ाने में महत्व।
- **आइटम विश्लेषण के सिद्धांत**:
  - आइटम कठिनाई, भेदभाव, विचलित गुणवत्ता और सांस्कृतिक निष्पक्षता का आकलन करना।
  - साइकोमेट्रिक मानकों (जैसे, एपीए, ऐरा) के साथ संरेखण।

- **आइटम विश्लेषण के तरीके**:
  - **क्लासिकल टेस्ट थ्योरी (सीटीटी):** कठिनाई सूचकांक, भेदभाव सूचकांक, ध्यान भंग करने वाला विश्लेषण।
  - **आइटम प्रतिक्रिया सिद्धांत (आईआरटी):** आइटम विशेषता घटता, पैरामीटर अनुमान।
  - गुणात्मक दृष्टिकोण (जैसे, विशेषज्ञ समीक्षा, सांस्कृतिक विश्लेषण)।
- **आइटम विश्लेषण के लिए** प्रक्रियाएं:
  - चरण: डेटा संग्रह, सांख्यिकीय विश्लेषण, आइटम संशोधन और सत्यापन।
  - उपकरण और सॉफ्टवेयर (जैसे, एसपीएसएस, आर, आईआरटीपीआरओ)।
- **साइकोमेट्रिक गुण**:
  - आइटम कठिनाई (पी-मान), भेदभाव (डी-इंडेक्स, बिंदु-द्विध्रुवीय सहसंबंध)।
  - ध्यान भंग प्रभावशीलता और प्रतिक्रिया पैटर्न।
- **अनुप्रयोगों**:
  - बुद्धि, व्यक्तित्व, योग्यता और दृष्टिकोण माप के लिए परिष्कृत परीक्षण।
  - नैदानिक, शैक्षिक और संगठनात्मक परीक्षण में उपयोग करें।
- **UGC NET JRF के लिए प्रासंगिकता**:
  - परीक्षण निर्माण पर परीक्षा प्रश्नों के लिए आइटम विश्लेषण को समझना।
  - भारतीय सांस्कृतिक प्रतिमानों (जैसे, योग-आधारित मूल्यांकन शोधन) के साथ पश्चिमी साइकोमेट्रिक तरीकों की तुलना करना।
- **चुनौतियाँ**:
  - पूर्वाग्रह को संबोधित करना, सांस्कृतिक निष्पक्षता सुनिश्चित करना और छोटे नमूना आकारों का प्रबंधन करना।
  - व्यावहारिक बाधाओं के साथ सांख्यिकीय कठोरता को संतुलित करना।
- **PYQ अंतर्दृष्टि**:
  - विधियों पर प्रश्न (जैसे, सीटीटी बनाम आईआरटी), मैट्रिक्स (जैसे, कठिनाई सूचकांक), और अनुप्रयोग (जैसे, आईक्यू परीक्षणों में आइटम भेदभाव)।

यह अध्याय आइटम लेखन पर अध्याय 2 के फोकस पर बनाता है, परीक्षण निर्माण की समझ को गहरा करता है कि वस्तुओं का मूल्यांकन और परिष्कृत कैसे किया जाता है।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ

परीक्षण निर्माण में आइटम विश्लेषण की पूरी तरह से सराहना करने के लिए, मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के भीतर इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों की जांच करना आवश्यक है:

- **ऐतिहासिक संदर्भ**:
  - **20 वीं शताब्दी की शुरुआत: साइकोमेट्रिक्स का उद्भव**:
    - अल्फ्रेड बिनेट के बिनेट-साइमन स्केल (1905) ने कठिनाई और प्रासंगिकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रभावी खुफिया वस्तुओं का चयन करने के लिए अल्पविकसित आइटम विश्लेषण की शुरुआत की।
    - प्रथम विश्व युद्ध (1917-1918) समूह परीक्षण (जैसे, आर्मी अल्फा) को सांख्यिकीय तरीकों के औपचारिककरण को चिह्नित करते हुए, भर्तियों के बीच भेदभाव करने वाली वस्तुओं को सुनिश्चित करने के लिए आइटम विश्लेषण की आवश्यकता थी।
  - **20वीं सदी के मध्य में: क्लासिकल टेस्ट थ्योरी (CTT):**
    - क्लासिकल टेस्ट थ्योरी (1940 के दशक) ने आइटम विश्लेषण के लिए रूपरेखा प्रदान की, जिसमें ली क्रोनबैक और लुई गुटमैन के योगदान ने कठिनाई और भेदभाव सूचकांकों पर जोर दिया।
    - मिनेसोटा मल्टीफासिक पर्सनैलिटी इन्वेंटरी (एमएमपीआई, 1943) ने नैदानिक वैधता सुनिश्चित करने, व्यक्तित्व वस्तुओं को परिष्कृत करने के लिए आइटम विश्लेषण का उपयोग किया।
    - मानकीकृत दिशानिर्देश (जैसे, एपीए, 1 9 54) ने एक साइकोमेट्रिक मानक के रूप में आइटम विश्लेषण स्थापित किया।
  - **20 वीं शताब्दी के अंत में: आइटम प्रतिक्रिया सिद्धांत (आईआरटी):**
    - आईआरटी (1960-1980 के दशक) ने गणितीय मॉडल के साथ आइटम विश्लेषण में क्रांति ला दी (जैसे, राश, 1960; बर्नबौम, 1968), सटीक आइटम पैरामीटर अनुमान को सक्षम करता है।
    - क्रॉस-सांस्कृतिक मनोविज्ञान (1 9 80 के दशक-) ने सांस्कृतिक पूर्वाग्रह (जैसे, अंतर आइटम कामकाज, डीआईएफ) का पता लगाने के लिए आइटम विश्लेषण का उपयोग करते हुए आइटम निष्पक्षता पर जोर दिया।
    - कंप्यूटर-आधारित परीक्षण (1990 के दशक) ने सॉफ्टवेयर (जैसे, SPSS, IRTPro) के साथ उन्नत आइटम विश्लेषण की सुविधा प्रदान की।
  - **21वीं सदी: वैश्विक और सांस्कृतिक एकीकरण**:
    - आइटम विश्लेषण विविध आबादी के लिए अनुकूलित, वैश्विक परीक्षण आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए।
    - इंडिक प्रभावों (जैसे, योग, माइंडफुलनेस) ने सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील आइटम विश्लेषण को प्रेरित किया, समग्र निर्माण के लिए वस्तुओं को परिष्कृत किया।
    - डिजिटल उपकरण और बड़ा डेटा (2000-) बढ़ाया आइटम विश्लेषण, सटीकता और मापनीयता।